PART-**1**

अलेक्जेण्डर वॉन हम्बोल्ट – अन्वेषण यात्राएं

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

अलेक्जेण्डर वॉन हम्बोल्ट –अन्वेषण यात्राएं (Explorations)

हम्बोल्ट ने 1792 से 1796 के मध्य प्रशा राज्य के खनिज मंत्रालय में कार्य करने के पश्चात् सरकारी नौकरी से त्याग पत्र दे दिया। 1996 में उनकी माता की मृत्यु हो गयी। वे अपने अध्ययन और शोध कार्यों द्वारा उच्च वैज्ञानिक बनना चाहते थे। पर्याप्त पैत्रिक सम्पत्ति पाने के कारण उनके लिए अर्थाभाव की समस्या नहीं थी। अब वे वैज्ञानिक अन्वेषणों की तैयारी में लग गये। वेस्ट इंडीज की यात्रा के संदर्भ में हम्बोल्ट वियना, पेरिस और मैड्रिड गये। पेरिस में हम्बोल्ट का सम्पर्क प्रसिद्ध वनस्पति वैज्ञानिक बोनप्लांड (Bonpland) से हुआ। दोनों वैज्ञानिक साथ-साथ मैड्रिड गये और वहाँ से दक्षिण अमेरिका के स्पेनी उपनिवेशों की यात्रा की योजना बनाये। राजाज्ञा प्राप्त करके दोनों वैज्ञानिकों ने जून 1799 में दक्षिण अमेरिका की यात्रा के लिए प्रस्थान किया। बोनप्लांड के साथ हम्बोल्ट पहले वेनेजुएला के कुमाना नगर पहुँचे और वहाँ से अपनी अन्वेषण यात्रा आरंभ किया। लगभग पाँच वर्षों तक हम्बोल्ट

भ्रमण करते रहे और इस खोज अभियान के दौरान लगभग 64000 किमी० से भी अधिक दूरी की यात्राएं किया।

हम्बोल्ट ने 1800 में ओरीनिको नदी की लगभग 2700 किमी० बेसिन का सर्वेक्षण किया। इस यात्रा की अवधि में उन्होंने उष्ण कटिबंधीय वनों के पेड़-पौधों तथा जीवाश्मों के नमूनों का भंडार एकत्रित कर लिया। नवम्बर, 1800 में हम्बोल्ट अपने सहयात्री बोनप्लांड के साथ कुमाना (Cumana) वापस पहुँच गये और वहाँ से क्यूबा की यात्रा पर निकल पड़े।

1801 में वे दोनों कोलम्बिया के बन्दरगाह कार्तेजेना पहुँचे। कार्तेजेना से वे दोनों एण्डीज पर्वत श्रेणी के सर्वेक्षण के लिए खोज यात्रा आरंभ किया। वहाँ उन्होंने कोलम्बिया, इक्वेडोर और पेरू में एण्डीज पर्वत श्रृंखला का सर्वेक्षण किया। इस सर्वेक्षण द्वारा उन्होंने महत्वपूर्ण स्थानों के अक्षांश-देशांतर की मापं किया और उनके तापमान एवं सागर तल से ऊँचाई आदि से सम्बंधित आंकड़े एकत्रित किया। पेरू के लीमा नगर पहुँच कर हम्बोल्ट ने समुद्र तट का सर्वेक्षण किया। उन्होंने पेरू के तट के समानांतर दक्षिण से उत्तर

की ओर प्रवाहित होने वाली ठण्डी धारा का पता लगाया जिसे पेरू धारा या हम्बोल्ट धारा के नाम से जाना जाता है।

मार्च 1803 में हम्बोल्ट गायाकिल (इक्वेडोर) से मैक्सिको के लिए प्रस्थान किया। मैक्सिको में लगभग एक वर्ष रहकर हम्बोल्ट ने मैक्सिको की प्राकृतिक दशा, अर्थव्यवस्था तथा जनसंख्या सम्बंधी प्रभूत आंकड़े एकत्रित किया जिसके आधार पर बाद में उन्होंने मैक्सिको के प्रादेशिक भूगोल पर एक लेख लिखा। 1804 में वे अपने सहयोगी वैज्ञानिक के साथ क्यूबा की राजधानी हवाना पहुँच गये। वहाँ से संयुक्त राज्य अमेरिका के फिलाडेल्फिया नगर होते हुए जून 1804 में बरलिन (जर्मनी) के लिए प्रस्थान किया। 1806 में नैपोलियन से पराजित होने के पश्चात् जर्मनी का जनजीवन काफी आंदोलित था और वहाँ की परिंस्थितियाँ अनुसंधान के लिए उपयुक्त नहीं थीं। अतः हम्बोल्ट 1807 में पेरिस (फ्रांस) चले गये और 19 वर्षों तक वहाँ रहकर उन्होंने फ्रांसीसी भाषा में 'नये महाद्वीप के भूमध्य रेखीय प्रदेशों की यात्रा' शीर्षक से एक पुस्तक लिखी जो 30 अंकों में प्रकाशित हुई।

1827 में प्रशा की राज्य सभा में एक उच्च पद पर कार्य करने के लिए हम्बोल्ट बर्लिन वापस पहुँच गये। दो वर्ष पश्चात् रूस के शासक जार के आमंत्रण पर वे साइबेरिया में संसाधनों के अन्वेषण

के लिए रूस के पीटर्सबर्ग (लेनिनग्राड) गये। वहाँ से चलकर उन्होंने साइबेरिया के अल्टाई पर्वत श्रेणी तक के क्षेत्र का सर्वेक्षण किया और वहाँ की जलवायु तथा मिट्टी सम्बंधी आकड़े एकत्रित किया।

रूस से लौटकर 1830 में हम्बोल्ट बर्लिन वापस आ गये और जीवन के शेष 29 वर्ष बर्लिन में ही व्यतीत किये। बर्लिन वापस आने पर हम्बोल्ट को जर्मनी के राज्य सभा में सम्राट के वैज्ञानिक सलाहकार अधिकारी के पद पर नियुक्ति मिली जहाँ वे कई वर्षों तक कार्यरत रहे।